http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 105

प्रयागराज मंगलवार 31 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

वे दूरदर्शी राजनेता थे: पीएम

● पीएम मोदी ने जिमी कार्टर के निधन पर शोक व्यक्त किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर को एक महान दूरदर्शी राजनेता बताते हुए उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर शोक संदेश में कहा, "अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन पर मुझे गहरा दुख हुआ है। वह एक महान दूरदर्शी नेता थे और उन्होंने विश्व शांति एवं सद्भाव के लिये अथक प्रयास किया।श श्री मोदी ने भारत-अमेरिका के संबंध को विस्तार देने में श्री कार्टर के योगदान को याद करते हुये कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति ने दोनों देशों के रिश्तों में अपने योगदान की एक विरासत छोड़ी है। उन्होंने कहा, श मैं श्री कार्टर के परिवार दोस्तों और अमेरिका के लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।श अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति (1977-81) श्री कार्टर का कल निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे। श्री कार्टर 1978 में अपनी पत्नी रोजलिन कार्टर राष्ट्रपति के रूप में भारत आये थे। इस यात्रा में उन्होंने हरियाणा के गुड़गांव जिले में दौलतपुर नसीराबाद की यात्रा की थी।भारत-अमेरिका साझेदारी के युग की शुरुआत की जिमी कार्टर सेंटर ने एक बयान में कहा कि कार्टर के भारत दौरे ने ही भारत-अमेरिका की स्थायी साझेदारी की नींव रखी, जिससे दोनों देशों को फायदा हुआ। कार्टर सरकार के बाद से अमेरिका और भारत ने ऊर्जा, मानवीय सहायता, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष सहयोग, समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत, आतंकवाद विरोधी आदि क्षेत्रों में मिलकर काम किया। 2000 के दशक के मध्य में, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ने पूर्ण असैन्य परमाणु सहयोग की दिशा में काम करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया था और तब से द्विपक्षीय व्यापार में भारी वृद्धि हुई है।

'सुरक्षा मामले में भारत भाग्यशाली नहीं'

● राजनाथ बोले-दुश्मन अंदर भी हैं, बाहर भी, उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखना जरूरी

● सीमा विवाद सुलझाने के लिए दोनों देशों के बीच क्या हुआ?

भोपाल,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, सुरक्षा के मोर्चे पर भारत बहुत भाग्यशाली देश नहीं है। हमारी सेना उत्तरी और पश्चिमी सीमा लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। हम शांत, बेफिक्र होकर नहीं बैठ सकते। हमारे दुश्मन, चाहे अंदर हों या बाहर, वे हमेशा एक्टिव रहते हैं। राजनाथ ने आगे कहा कि इन परिस्थितियों में, हमें उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी चाहिए। उनके खिलाफ सही समय पर बेहतर और प्रभावी कदम उठाने चाहिए।रक्षा मंत्री ने ये बातें मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहीं। राजनाथ महू छावनी में दो दिन के दौरे पर आए हैं। आज दौरे का दूसरा दिन है। चीन के साथ भारत की 3 हजार 488 किमी लंबी सीमा भारत की चीन के साथ 3 हजार 488 किमी लंबी सीमा लगती है, जो तीन सेक्टर्स- ईस्टर्न, मिडिल और वेस्टर्न में बंटी हुई है। ईस्टर्न सेक्टर में सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की सीमा चीन से लगती है, जिसकी लंबाई 1 हजार 346 किमी है। मिडिल सेक्टर में हिमाचल और उत्तराखंड है, जिसकी लंबाई 545 किमी है। और वेस्टर्न सेक्टर में लद्दाख आता है, जिसके साथ चीन की 1 हजार 597 किमी लंबी सीमा है। चीन अरुणाचल प्रदेश के 90 हजार स्क्वायर किमी के हिस्से पर अपनी दावेदारी करता है। जबकि, लद्दाख का करीब 38 हजार स्क्वायर किमी का हिस्सा चीन के कब्जे में है। इसके अलावा 2 मार्च 1963 को चीन-पाकिस्तान के बीच हुए एक समझौते में पाकिस्तान ने च्वज्ञ का 5 हजार 180 स्क्वायर किमी चीन को दे दिया था। कुल मिलाकर चीन ने भारत के 43 हजार 180 स्क्वायर किमी पर कब्जा जमा रखा है। जबकि, स्विट्जरलैंड का एरिया 41 हजार 285 स्क्वायर किमी है। सीमा विवाद सुलझाने के लिए दोनों देशों के बीच क्या हुआ? विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 3 दिसंबर को भारत-चीन सीमा विवाद पर संसद को जानकारी दी थी। विदेश मंत्री ने सदन में कहा था कि भारत और चीन बातचीत और कूटनीति के जरिए सीमा विवाद सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं।

शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज। सिविल लाइन्स स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज में सोमवार को को शैक्षिक प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो जया कपूर जनसंपर्क अधिकारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीपार्चन एवं पुष्पार्चन से किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष

डा0 रघुराज सिंह एवं विशिष्ट अतिथि विद्या भारती काशी प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक शेषध् ार द्विवेदी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार उपस्थित रहें। तत्पश्चात् विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने अतिथियों का परिचय एवं सम्मान कराया गया। इस प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं एक से बढ़कर एक मॉडल एवं प्रदर्श प्रस्तुत किये। कार्यक्रम की अगली कड़ी में आये हुये अतिथि एवं निर्णायक बंधुओं ने भैया बहनों द्वारा लगाये गये। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा विभिन्न मॉडलों का सूक्ष्म अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में गणित, विज्ञान, भाषा, कॉमर्स, कम्प्यूटर, सामाजिक विज्ञान आदि विषयों के लगभग 500 से अधिक मॉडल लगाये गये थे।

बिहार में डबल इंजन सरकार का बात सुनने की बजाय छात्रों पर अत्याचार: प्रियंका

● बीजेपी का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक, छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर बोलीं प्रियंका

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में अपनी वाजिब मांगों को लेकर आवाज उठा रहे छात्रों की बात सुनने की बजाय डबल इंजन सरकार उन पर लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में पेपर लीक हो रहे हैं, परीक्षाओं में भ्रष्टाचार हो रहा है तथा धांधली की जा रही है और जब छात्र इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं तो कड़ाके की सर्दी में उन पर पानी की बौछार कर छात्रों पर अत्याचार किया जा रहा है। श्रीमती वाड्रा ने कहा शबिहार में तीन दिन के अंदर दूसरी बार छात्रों पर अत्याचार किया गया। परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, धांधली, पेपर लीक रोकना सरकार का काम है लेकिन भ्रष्टाचार रोकने की जगह छात्रों को आवाज उठाने से रोका जा रहा है।श उन्होंने कहा श्इस कड़ाके की ठंड में युवाओं पर पानी की बौछार और लाठी चार्ज करना अमानवीय है। भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है।श्दरअसल, बीपीएससी की 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना में विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने रविवार को पानी की बौछार की और हल्का बल भी प्रयोग किया। इसके साथ ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के अध्यक्ष समेत 600-700 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, शबिहार में तीन दिन के अंदर दूसरी बार छात्रों पर अत्याचार किया गया। परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, धांधली, पेपर लीक रोकना सरकार का काम है। लेकिन भ्रष्टाचार रोकने की जगह छात्रों को आवाज उठाने से रोका जा रहा है।श उन्होंने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में युवाओं पर पानी की बौछार और लाठी चार्ज करना अमानवीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है। कैसे शुरू हुआ विवाद? बीपीएससी की संयुक्त प्राथमिक परीक्षा 13 दिसंबर 2024 को आयोजित हुई। इस परीक्षा का विज्ञापन सितंबर 2024 को जारी हुआ था और परीक्षा में 4,83,000 उम्मीदवारों ने आवेदन किया, जिनमें से 3,25,000 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। यह परीक्षा बिहार लोकसेवा आयोग के तहत 2031 पदों पर भर्तियों के लिए हुई, जिनमें 200 पद एसडीएम, 136 पद डीएसपी और अन्य गजेटेड अधिकारियों के पद शामिल हैं। हालांकि परीक्षा होने से पहले 6 दिसंबर को परीक्षा को लेकर विवाद शुरू हो गया।

छात्रों के आंदोलन को किया हाईजैक, प्रशांत किशोर पर तेजस्वी का आरोप

पटना,(एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने आरोप लगाया कि यह आंदोलन छात्रों द्वारा शुरू किया गया था। गर्दनीबाग में लगभग दो सप्ताह तक चले धरने, जहां मैं भी हाल ही में गया था, ने सरकार को हिलाकर रख दिया था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने जन सुराज पार्टी पर परोक्ष हमला बोलते हुए प्रशांत किशोर द्वारा नवगठित पार्टी पर बिहार में नीतीश कुमार के सत्तारूढ़ गठबंधन की श्बी टीमश के रूप में काम करने का आरोप लगाया। हाल ही में बीपीएससी परीक्षा का विरोध कर रहे छात्रों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस द्वारा पानी की बौछारें करने के कुछ घंटों बाद, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रदर्शनकारियों को गांधी मैदान की ओर मार्च करने के लिए गुमराह किया गया था।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने आरोप लगाया कि यह आंदोलन छात्रों द्वारा शुरू किया गया था। गर्दनीबाग में लगभग दो सप्ताह तक चले धरने, जहां मैं भी हाल ही में गया था, ने सरकार को हिलाकर रख दिया था। इस समय, कुछ तत्व सरकार की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के खिलाफ प्रशासन की चेतावनी के बावजूद, प्रदर्शनकारियों को गांधी मैदान की ओर मार्च करने के लिए गुमराह किया गया। और, जब लाठीचार्ज और पानी की बौछारों का सामना करने का समय आया।

दागी एवं अनुशासनहीन कार्यकर्ता को अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया से दूर रखेंगे- महानगर अध्यक्ष

प्रयागराज। महानगर से जिला अध्यक्षों की लाइन में प्रमुख रूप से वर्तमान महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, महामंत्री वरुण केसरवानी रवि, महामंत्री कुंज बिहारी मिश्रा,महामंत्री रमेश पासी, पार्षद दल की मुख्य सचेतक पार्षद किरन जयसवाल, पूर्व महामंत्री श्याम चंद्र हेला, मृत्युंजय तिवारी, राजू पाठक, पार्षद विजय मल्होत्रा, अनिल भट्ट, राजेश सिंह पटेल,प्रमोद जायसवाल, प्रेम नारायण केसरवानी, मनोज कुमार कुशवाहा, देवेंद्र नाथ मिश्रा, राजू शुक्ला, आशीष गुप्ता, सुबोध सिंह, संजय गुप्ता, रविंद्र त्रिपाठी ,विक्रमजीत सिंह भदौरिया, शिखा रस्तोगी, पवन श्रीवास्तव, राजेश गिरी,आभा मध् ुर श्रीवास्तव, आदि नाम चल रहे हैं जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी के अनुसार जिला अध्यक्ष के लिए नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष होंगे और प्रस्तावक नवनियुक्त जिला प्रतिनिधि होंगे जिला अध्यक्ष चुनाव चयन प्रक्रिया में उनकी आयु सीमा पार्टी के गाइडलाइन के अनुसार 45 से 60

वर्ष की गई है और दो कार्यकाल की सक्रिय सदस्यता निर्धारित किया गया है जिससे अभी हाल में भाजपा को ज्वाइन करने वाले बाहरियों को मौका नहीं मिलेगा भाजपा ने जिला अध्यक्ष के लिए साफ एवं अनुशासित छवि वाले कार्यकर्ताओं को एवं महिलाओं को प्राथमिकता देने का फैसला किया है और जिन नेताओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई है वह इस बार संगठन चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगे और जिला अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार को मंडल या जिला स्तर पर किसी पद पर रहना अनिवार्य है इससे संगठन के अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलेगी और दागी और विवादित छवि वाले नेताओं से जिला अध्यक्ष पद के चुनावी प्रक्रिया से मुक्त रखा जाएगा इस बार पार्टी की नई गाइडलाइन के अनुसार क्षेत्र के बजाय जिला अध्यक्ष का पैनल सीधे प्रदेश स्तर पर भेजने का प्रावधान किया गया है और सामाजिक समीकरण को साधते हुए जो नाम पैनल पर आएंगे आम सहमति बनाने का प्रयास होगा और यदि सहमति नहीं बनती तो मतदान कराया जाएगा।

केरल मिनी पाकिस्तान है वाले बयान पर फंसे नीतेश राणे

मुंबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा था कि केरल मिनी पाकिस्तान है, इसलिए राहुल और उनकी बहन प्रियंका जीतकर आते हैं, सांसद बनने के लिए ऐसे ही लोग उनको वोट देते हैं। हालांकि बढ़ते विवाद को देखते हुए अब भाजपा नेता ने सफाई दी है। महाराष्ट्र के मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। उन्होंने केरल की तुलना पाकिस्तान से की, जिससे सियासी बवाल मच गया। हालांकि, बढ़ते मामले को देखते हुए सोमवार को भाजपा नेता ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि केरल भारत का हिस्सा है। उन्होंने पाकिस्तान से केवल केरल में हो रहे घटनाक्रमों के संदर्भ में तुलना की थी। राणे ने कहा कि अगर पाकिस्तान में हिंदुओं के साथ जैसा व्यवहार हो रहा है, वैसे ही घटनाएं भारत में हो रही हैं, तो इस पर कार्रवाई की जानी चाहिए। क्या बोले

थे नितेश राणे? महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा था कि वो मुस्लिमों की वजह से वयनाड से चुनाव जीत पाते हैं। उन्होंने कहा है कि केरल मिनी पाकिस्तान है, इसलिए राहुल और उनकी बहन प्रियंका जीतकर आते हैं, सांसद बनने के लिए ऐसे ही लोग उनको वोट देते हैं। राणे ने यह टिप्पणी पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान रविवार को की थी। हमारा देश एक हिंदू राष्ट्र बनेरू राणे राणे ने मामले में सफाई देते हुए कहा कि हमारा देश एक हिंदू राष्ट्र बने, यही हमारी इच्छा है। हिंदुओं को हर संभव तरीके से सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, श्केरल भारत का हिस्सा है, लेकिन वहां हिंदू आबादी का घटना एक चिंता का विषय है। हिंदुओं का इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मांतरण एक आम बात हो गई है। वहीं, श्लव जिहादश के मामले भी बढ़ रहे हैं।

केजरीवाल का एक और बड़ा एलान

● पुजारियों और ग्रंथियों को हर माह मिलेगी इतनी सैलरी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल प्रेस कांफ्रेंस कर रहे हैं। केजरीवाल ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने पुजारी और ग्रंथी सम्मान योजना का एलान किया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। केजरीवाल ने पुजारी और ग्रंथि सम्मान योजना का एलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्आज मैं जो योजना का ऐलान करने जा रहा हूं उस योजना का नाम पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना है। इसके तहत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों को हर महीने सम्मान राशी देने का प्रावधान है... उन्हें लगभग 18,000 रुपये प्रति माह सम्मान राशी दिया जाएगा।श अरविंद केजरीवाल कल कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर से इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत करेंगे। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, श्आम आदमी पार्टी के जीतने पर दिल्ली में मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को ₹18,000 प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। ये योजना समाज में उनके आध्यात्मिक योगदान और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने के उनके प्रयासों का सम्मान है। भाजपा वालों इसे रोकने की कोशिश मत करना, बहुत पाप लगेगा।श्ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के प्रमुख साजिद रशीदी ने कहा कि वह अपने वेतन के भुगतान के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलेंगे। उन्होंने दावा किया कि इमामों को पिछले 17 महीने से वेतन नहीं मिला है। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के प्रमुख ने दिल्ली सरकार से विधानसभा चुनाव से पहले वक्फ बोर्ड को पैसा जारी करने का आग्रह किया। रशीदी के हवाले से कहा गया कि इमामों को पिछले 17 महीनों से उनका वेतन नहीं मिला है, इसलिए हम दिल्ली सरकार को चुनाव से पहले वक्फ बोर्ड को यह पैसा जारी करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि एमसीसी लागू होने के बाद पूरी प्रक्रिया रुक जाती है। उन्होंने आगे कहा कि वे इसके लिए दिल्ली की सीएम आतिशी, एलजी के साथ-साथ वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिकारियों से भी मिल चुके हैं। अगर उन्होंने अब हमें जवाब नहीं दिया तो हम यहीं धरने पर बैठ जाएंगे और तब तक नहीं उठेंगे जब तक हमें हमारा वेतन नहीं मिल जाता। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली वक्फ बोर्ड में वर्तमान में कोई सीईओ नहीं है, जिससे वेतन वितरण में और देरी हो सकती है। रशीदी ने दिल्ली सरकार से जल्द से जल्द एक पूर्णकालिक सीईओ नियुक्त करने का भी आग्रह किया ताकि इमामों का वेतन न रोका जाए।

आर्थिक शक्तियों को करना पडेंगा सामना

आज की दुनिया कई तरह के विभाजनों और टकरावों से गुजरते हुए नए वर्ष में प्रवेश कर रही है। ये विभाजन और टकराव कहीं विचारधाराओं के हैं तो कहीं सभ्यतागत। कहीं धार्मिक और एथनिक हैं, तो कहीं भू–राजनीतिक। इनकी अभिव्यक्ति कहीं लघु स्तर के युद्धों के रूप में, तो कहीं बड़े युद्धों रूप में होती रहती है। संभव है कि इनकी आवृत्ति और क्षमता नए वर्ष में बढ़े। मध्य–पूर्व जिस खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है और रूस–यूक्रेन युद्ध जिस प्रकार से 'रेड लाइन' पार करते हुए 'न्यू वॉर जोन' की ओर खिसक रहा है। यह शांति का संकेत तो नहीं है। दक्षिण एशिया कूटनीतिक विसंयोजन से गुजर रहा है और एशिया–प्रशांत युद्धोन्माद की छाया में है। ऐसे में यह प्रश्न उठाना लाजिमी है कि साल 2025 दुनिया को किस दिशा में ले जाएगा?

वर्ष 2024 ने अपने अंतिम छोर तक पहुंचते–पहुंचते मध्य–पूर्व में एक अध्याय और लिख दिया। यह अध्याय है असद रेजीम के समापन का। 7 दिसंबर को 'सदर्न ऑपरेशंस रूम' नामक समूह के नेतृत्व में जैसे ही फोर्सेज दक्षिण की ओर से 'रिफ डिमास्क' पहुंचीं, सीरियाई आर्मी ने सीरिया के मल्टीपल पॉइंट्स से अपना नियंत्रण हटाना शुरू कर दिया। इसके ठीक बाद विपक्षी मिलीशिया 'तहरीर अल–शाम' और तुर्की समर्थित 'सीरियन नेशनल आर्मी' ने उत्तर में होम्स शहर से विद्रोह शुरू कर दिया। 8 दिसंबर को विद्रोही बलों ने जैसे ही डेमस्कस की ओर बढना शुरू किया, बशर अल–असद देश छोडकर मॉस्को चले गए और असद रेजीम खत्म हो गई, लेकिन यह सीरियन अस्थिरता और संघर्ष पर 'फुल स्टॉप' नहीं है, क्योंकि सीरिया के टुकड़ों पर विद्रोही और कुछ भाग पर सीरियाई शासन का नियंत्रण है। खास बात यह है कि इनमें भी एकता नजर नहीं आ रही है। तो क्या यह सीरिया की समस्या का अंत नहीं, शुरुआत है? एक बात और, असद रेजीम के पतन में रैसेप तैयप एर्दोगान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ विश्वासघात है और पुतिन की नाकामी कि वे यह अनुमान नहीं लगा पाए कि टर्की नाटो का सदस्य है, तो रूस से मित्रता कैसी? तो क्या यह खेल की शुरुआत है, अंत होना शायद अभी बाकी है। अंत पुतिन की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा, जो अब 2025 में ही होगा।

मध्य–पूर्व सीरियाई उथल–पुथल तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इजरायल–हमास–लेबनान–ईरान संघर्ष भी वर्ष 2024 का एक प्रमुख अध्याय रहा। हमास–इजरायल टकराव से शुरू हुआ एक संघर्ष गाजा से बेरूत, बेरूत से तेहरान और अंततरू डेमस्कस तक पहुंच गया। इस नए संघर्ष की शुरूआत हमास की तरफ से हुई जब उसने (7 अक्टूबर 2023) इजरायल को निशाना बनाकर बड़ी संख्या में रॉकेट दागे, जिसमें 1200 इजरायलियों की मौत हुई थी और 250 बंधक बनाए गए थे। यह सही अर्थों में इजरायल के अस्तित्व पर हमला था, तो प्रतिक्रिया भी प्रभावी होनी थी। हुई भी, इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने गाजा को जमींदोज कर दिया और हमास नेताओं को एक–एक कर मार गिराया। जुलाई 2024 में हमास चीफ इस्माइल हानिया और अक्टूबर 2024 में याह्या शिनवार की हत्या के बाद हमास शक्तिहीन तो हो गया, लेकिन यह लड़ाई खत्म हो गई है, ऐसा भी नहीं। इसके बाद इजरायली डिफेंस फोर्सेज लेबनान में हिज्बुल्लाह नेता नसरुल्ला को भी मारने में सफल रही। लेकिन नसरल्ला की मौत को हिजबुल्ला का अंत नहीं माना जा सकता। वे इजरायल से जीत तो नहीं पाएंगे, बल्कि उसे थकाने की कोशिश करेंगे। यह बात तो इजराइल के ऑफिस ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हैलेवी भी मान रहे हैं कि नसरुल्ला का खात्मा अंत नहीं है। इसके बाद इजरायल ने ईरान को निशाना बनाया और बदले में ईरान ने 300 से अधिक मिसाइलें व किलर ड्रोन इजराइल पर दागे। ईरान की तरफ से की गई प्रतिक्रिया ने मध्य–पूर्व में पहले से चले आ रहे युद्ध को एक नया मोड़ दे दिया, हालांकि डेमस्कस में हुए परिवर्तन ने अभी ईरान को रोक दिया है। लेकिन तेल अवीव और तेहरान की तरफ से होने वाली कार्रवाईयों पर लगे अल्पविराम, पूर्ण विराम में बदल पाएंगे ऐसा नहीं लगता। इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट कह चुके हैं कि 'लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।' कारण यह कि ऑक्टोपस का सिर अभी कटा नहीं है (इजराइल के प्रधानमंत्री रहे बेनेट ने कहा था कि तेहरान ऑक्टोपस का सिर है, लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और यमन में हूती उसके हाथ हैं)। संभव है कि लड़ाई अब प्रॉक्सी नहीं, प्रत्यक्ष रूप से हो।

यूरेशियाई क्षेत्र भी मध्य–पूर्व की तरह एक ऐसा युद्ध मैदान बन चुका है जहां शांति की संभावनाएं अभी न के बराबर हैं। अभी पिछले दिनों मॉस्को से करीब सवा सात सौ किलोमीटर दूर रूस के कजान शहर पर यूक्रेन ने 8 ड्रोन अटैक किए, जिनमें से 6 रिहायशी इलाकों में थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये हमले उसी तरह के थे जैसे 9 11 में 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' पर हुए थे। इससे पहले यूक्रेन ने रूसी शहर कुर्स्क पर अमरीकी मिसाइलें दागी थीं। यूक्रेन द्वारा अमरीकी 'आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम' से रूस में 'डीप स्ट्राइक' यह दिखाता है कि रूस–यूक्रेन युद्ध रेड लाइन पार कर चुका है। प्रतिक्रिया में रूस ने 'रिवाइज्ड न्यूक्लियर डॉक्ट्रिन' पेश कर दी, जो रूस को 'न्यूक्लियर वॉर' की ओर ले जा सकती है। पुतिन ने कहा भी है कि रूस–यूक्रेन युद्ध अब 'क्षेत्रीय विवाद' नहीं रह गया, बल्कि यह 'वैश्विक टकराव' में बदल गया है। तो क्या यहां से किसी तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत भी हो सकती है?मॉस्को की पश्चिमी दुनिया के साथ लड़ाई सिर्फ जमीन के ऊपर ही नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं और बाजारों की भी है। दो ब्लॉक बनते दिख रहे हैं जिसमें एक तरफ न्यूयॉर्क स्थापित वित्तीय संस्थाएं और दूसरी तरफ शंघाई और बीजिंग में स्थापित उसके विकल्प जो सॉफ्ट वॉर भी लड़ रहे हैं। जी–7 देश क्रेमलिन के खिलाफ 'इकोनॉमिक वॉर' लड़ रहे हैं तो बीजिंग–मॉस्को ब्रिक्स इकोनॉमीज के जरिए इसे काउंटर करने की कोशिश में हैं। खतरा यह है कि बाजारों का युद्ध, कहीं हथियारों से न लड़ा जाने लगे। ये सभी लक्षण वही हैं, जो दूसरे विश्व युद्ध से पहले उभरते दिखे थे। जनवरी में अमरीका ओवल ऑफिस से ट्रंप की न्यू रेजीम की शुरुआत होगी, बहुत कुछ इसकी चालों पर भी निर्भर करेगा।

हर नाकामी कामयाबी की अहमियत बताती है

सुशील कुमार सिंह

वाशु भगनानी और जैकी भगनानी पर अनेक लोग उन भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। श्बड़े मियां छोटे मियांच को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता–पुत्र की फिघ्ल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फिघ्ल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफिघ्स पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया। उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फिघ्ल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं।दिनेश विजन की श्स्त्री–2च अंधाधुंध नहीं चली होती तो हिंदी फिघ्ल्मों के डिस्ट्रीब्यूटरों और मल्टीप्लेक्स वालों में मुर्दनी सी छायी हुई थी। छिटपुट सफलताओं को छोड़ दें तो कई महीने से ज्यादातर फिल्में फ्घ्लॉप हो रही थीं और हताशा बढ़ा रही थीं। अब स्थिति कुछ बदली है, मगर अभी भी, यानी श्स्त्री–2च की अप्रत्याशित कामयाबी के बावजूद 2024 का साल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में पिछले साल से बहुत पीछे है। अगले तीन महीनों में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने को हैं जिनसे इसकी भरपायी की उम्मीद की जा रही है, लेकिन कौन जानता है कि वे आंकड़ों को सुध ारेंगी या और बिगाड़ देंगी।

किसी उद्योग के वास्तविक हालात कभी भी उसके शीर्ष या ऊपरी परत के चेहरों की चमक से नहीं आंके जा सकते। असलियत तो उसके निचले पायदानों पर खड़े लोगों से ही पता चल सकती है। हर उद्योग में ये चेहरे पीछे छिपे होते हैं। किसी फिल्म के पिट जाने पर भी आप उसके हीरो, हीरोइन, निर्माता, निर्देशक आदि को हंसते–मुस्कुराते फिघ्ल्म की नाकामी या अपनी अगली फिघ्ल्म के बारे में मीडिया से बात करते देखते हैं। मगर जरूरी नहीं कि उसी फिघ्ल्म के निर्माण में शामिल रहे निचले स्तर के लोगों के लिए इस तरह मुस्कुराना इतना आसान हो।

कई प्रोडक्शन हाउस हैं जो दिहाड़ी वाले वर्करों या छोटे–छोटे अनुबंध ा वाले लोगों का पैसा, श्बस दो–चार दिन में देते हैंच कह कर वैसे भी टालते रहते हैं। और अगर फिघ्ल्म रिलीज होने तक उन्हें पैसा नहीं मिला और फिघ्ल्म फ्घ्लॉप हो गई तब तो उनका भुगतान महीनों तक खिसक सकता है। कमाल यह है कि उनका मेहनताना सबसे कम होता है, मगर सबसे ज्यादा खघ्तरा उसी पर मंडराता है। कहने को इंडस्ट्री में इन लोगों की भी तरह–तरह की एसोसिएशनें हैं जो उनके लिए लडने का दावा करती हैं। लेकिन अगर आप ढूंढने निकलें तो एक–एक करके सैंकड़ों ऐसे लोग मिल जाएंगे जिनका पैसा महीनों या सालों से लटका है या फिर जिसकी आस भी उन्होंने छोड़ दी है। मुंबई में लगभग साढ़े पांच लाख लोग फिघ्ल्म उद्योग से जुड़े बताए जाते हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या इन्हीं वर्गों के लोगों की है।

हमारे कई गंभीर फिघ्ल्म पत्रकार, जिनकी संख्या बहुत कम बची है, अक्सर शिकायत करते हैं कि इंडस्ट्री में कुछ ऐसे लोग हैं जिनकी प्रतिबद्धता फिघ्ल्मकारिता के प्रति नहीं है। वे अक्सर घटिया किस्म की फिघ्ल्में बनाते रहते हैं जो अधिकतर पिटती रहती हैं। फिर भी उनका फिघ्ल्म बनाना रुकता नहीं। कई बार तो संदेह होता है कि उनके पास इतना पैसा कहां से चला आ रहा है या फिघ्ल्में पिटने के बावजूद वे इतना पैसा क्यों खर्च किए जा रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों के संबंध विदेशों से भी रहते हैं।

वैसे यह कोई नई या आज की बात नहीं है। बिल्डर और ब्रोकर किस्म के लोग तो आजादी के पहले से फिघ्ल्म निर्माण में कूदने लगे थे और उसके बाद भी लगातार रहे हैं। हमारे यहां बनने वाली फिघ्ल्मों की गिनती और उनमें घटिया फिघ्ल्मों का प्रतिशत बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ इन्हीं लोगों का रहा है। अगर ऐसे लोग फिघ्ल्में नहीं बनाते या उनकी बनाई फिघ्ल्मों को इंडस्ट्री के इतिहास से हटा दिया जाए, तब भी हमारी फिघ्ल्मों के विकास–क्रम, उसके उल्लेखनीय पड़ावों और फिघ्ल्मकारी के बार–बार बदलते मुहावरों की गाथा पर कोई असर नहीं पड़ता।मगर कोई निर्माता किसी भी पृष्ठभूमि से हो, आखिर वह कितना नुक्सान बर्दाश्त कर सकता है। एक के बाद एक फिघ्ल्में फ्घ्लॉप होती ही चली जाएं तो एक समय ऐसा आता है जब वह सबका भुगतान कर पाने की हालत में नहीं रहता। क्या वाशु भगनानी और जैकी भगनानी उसी दशा में पहुंच चुके हैं? उनके लिए काम कर चुके अनेक लोग उन पर पूरा भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। श्बड़े मियां छोटे मियांच को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता–पुत्र की फिघ्ल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फिघ्ल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफिघ्स पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया।

उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फिघ्ल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं। जफर अपने सात करोड़ रुपए बाकी बता रहे थे, पर निर्माताओं ने उलटे उन्हीं पर पैसे के घालमेल का आरोप लगा दिया और कहा कि अबू धाबी सरकार से वहां शूटिंग के लिए जो सब्सिडी मिली थी वह जफर ने अपने पास रख ली। फिर भगनानी नेटफ्घ्लिक्स पर 47 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे।

जवाब में नेटफ्घ्लिक्स ने कहा है कि पैसे तो हमारे वाशु भगवानी पर बकाया हैं। यह सब चल ही रहा था कि उनकी पिछली फिघ्ल्म श्मिशन रानीगंजच के निर्देशक टीनू देसाई ने भी बकाये की मांग उठा दी।बताया जाता है कि निचले स्तर के कई लोगों के पैंसठ लाख रुपए जैसे–तैसे चुका दिए गए। मगर तभी पता लगा कि भगनानी परिवार ने पिछले दो साल से अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया है। फिर खघ्बर आई कि वाशू भगनानी ने देनदारियां चुकाने के लिए अपना दफ्घ्तर बेच दिया है जिसे तोड़ कर अब वहां एक लग्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट बन रहा है। अपना दफ्घ्तर अब वे एक छोटे से फ्लैट में ले गए हैं और अपने करीब दो–तिहाई कर्मचारियों की उन्होंने छंटनी कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि श्बड़े मियां छोटे मियांच की रिलीज से पहले, बल्कि जनवरी से ही, उन्होंने छंटनी शुरू कर दी थी। और छंटनी का क्या है, देश भर में कोई भी कंपनी जब चाहे छंटनियां करती रहती है। उसकी मजर्ध।

वाशु भगनानी साहब ने अपनी पत्नी पूजा के नाम से 1986 में अपनी फिघ्ल्म प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट बनाई थी। शुरू में इसने केवल डिस्ट्रीब्यूशन का काम किया और नौ साल बाद अपनी पहली फिघ्ल्म श्कुली नंबर वनच बनाई जिसमें गोविंदा थे और डेविड धवन का निर्देशन था। यह फिघ्ल्म चल गई तो कई साल तक वाशु भगनानी नंबर वन के पीछे पड़े रहे। मतलब उन्होंने श्हीरो नंबर वनच भी बनाई और श्बीवी नंबर वनच भी। ये फिल्में भी हिट रहीं। अपने उन्हीं अच्छे दिनों में वाशु भगनानी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा को लेकर श्बड़े मियां छोटे मियांच बनाई थी। उसका निर्देशन भी डेविड धवन ने किया। यह फिघ्ल्म 12 करोड़ में बनी थी जबकि इसने 36 करोड़ कमाए थे। इसे इस तरह समझिये कि फिघ्ल्म निर्माण के खर्च, स्टारों व निर्देशक इत्यादि की फीस की मौजूदा दरों के हिसाब से यह फिघ्ल्म आज लगभग 150 करोड़ में बनती और कम से कम 450 करोड़ कमाती।

मगर फिर भगनानी साहब के अच्छे दिन लडखड़ाने लगे। उन्होंने श्शादी नंबर वनच बना कर उन्हें संभालने की कोशिश की, पर बात ज्यादा बनी नहीं। फिर गोविंदा की तरह डेविड धवन का जमाना भी ढलने लगा। तभी वाशु भगनानी को अपने बेटे जैकी भगनानी को हीरो बनाने की सूझी। जैकी के लिए उन्होंने, एक के बाद एक, दस फिघ्ल्में बनाईं जो सब की सब फ्घ्लॉप रहीं और जिन्हें शायद जैकी भी याद रखना पसंद नहीं करेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट ने अब तक जिन छत्तीस फिघ्ल्मों का निर्माण किया है उनमें से करीब दो–तिहाई को बॉक्स ऑफिघ्स पर अपनी लागत निकालने में भी दिक्कत आई। पिछले दस सालों में इस प्रोडक्शन हाउस ने एक दर्जन से ऊपर फिघ्ल्में बनाई हैं जिनमें से श्सरबजीतच को छोड़ लगभग सभी फ्घ्लॉप रही हैं। इनमें श्बेलबॉटमच भी थी जो 150 करोड़ में बनी थी और केवल 50 करोड़ निकाल सकी। और इन्हीं में श्मिशन रानीगंजच भी थी जो 55 करोड़ में बनी और इतने पैसे भी वापस नहीं ला पाई।कहा जा रहा है कि भगनानी परिवार की मुश्किलें चार साल पहले ही शुरू हो गई थीं। उन्हीं मुश्किलों के बीच उन्होंने श्गणपतच बनाई जिसका बजट 200 करोड़ था और बॉक्स ऑफिघ्स पर जिसे 15 करोड़ भी नहीं मिले। और फिर वे अपनी पुरानी हिट फिल्म श्बड़े मियां छोटे मियांच के शीर्षक को दोहराते हुए एक्शन भरी साइंस फिक्शन लाए जिसकी नाकामी ने उनका पूरा फिघ्ल्मी तामझाम ही उलट–पुलट कर दिया है।

करीब छह महीने पहले पूजा एंटरटेनमेंट ने शाहिद कपूर को लेकर श्अश्वत्थामाच बनाने की घोषणा की थी। यह भी बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, इसलिए और प्रोडक्शन हाउस के ताजा हालात के कारण कुछ लोग इसके पूरा होने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। यह प्रोडक्शन हाउस जगन शक्ति के निर्देशन में टाइगर श्रॉफ को लेकर जो फिल्म बनाने जा रहा था उसे तो खैर बंद ही कर दिया गया है।किसी स्टार की कई फिघ्ल्में पिट जाएं, उसके बावजूद कोई एक फिघ्ल्म हिट होकर उसका करियर और मार्केट बचा लेती है। मगर स्टार और प्रोडक्शन हाउस के करियर में अंतर होता है। अभिनेता अक्षय कुमार अपनी कई फिघ्ल्में पिटने के बाद भी कहते हैं कि श्हर नाकामी आपको कामयाबी की अहमियत बताती है और आपमें कामयाब होने की भूख बढ़ाती है।श मगर जिस प्रोडक्शन हाउस की लगातार दस फिघ्ल्में अपना पैसा वापस नहीं निकाल सकी हों, और जो देनदारियों के पचड़ों में फंसा हो, वह ऐसा कैसे कहे? असल में भगनानी पिता–पुत्र की मौजूदा स्थिति के विश्लेषण के कई आयाम हैं। उनमें स्टारों की बढ़ती फीस भी है और स्टार जो अपने साथ लाव–लश्कर लेकर चलते हैं, उसका खर्चा भी है। इनके अलावा एक आयाम पुरानी मशहूर फिघ्ल्मों के रीमेक का है। उस पर फिर कभी।

अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व के लिए भारत की कुंजी

अनुराग सक्सेना

पश्चिमी देशों ने नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे– रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैं।इसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य–संवध र्न के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृ ष्टिकोण, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं।हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार, बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं, इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है।

दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को ष्दुनिया का बैकरूमष का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद, नवाचार और उच्च–मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया।

हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू–राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू–राजनीतिक क्षेत्र में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत–प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे खासकर कोविड–19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है।यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का षक्रिएट इन इंडियाष पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा, अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। सॉफ्ट पावर के मामले में, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने से भारत को विकृत पश्चिमी कथानकों पर लगातार प्रतिक्रिया करने के बजाय अपने खुद के कथानकों को आकार देने की सुविध ा मिलेगी।

जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया, ष्आइए हम सब मिलकर श्क्रिएट इन इंडियाच यानी श्भारत में सृजन करेंश आंदोलन शुरू करें।ष ऐसे में हर कोई इसके दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभावों, खासकर कथानक–सुधार और हमारे सभ्यतागत विचारों को वैश्विक स्तर पर निर्यात करने पर पडने वाले प्रभाव को नहीं समझ पाया। ईस्टमैन कलर और विनाइल रिकॉर्ड की ष्प्रौद्योगिकियोंष ने अमेरिका को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद की। एक्सआर और गेमिंग का युग भारत को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के तत्वावध ान में श्क्रिएट इन इंडियाश चौलेंज की घोषणा की। यह एक अनूठा आयोजन है, जो दुनिया के सामने हमारे एवीजीसी सेक्टर के भविष्य को दर्शाता है। यह ब्रॉड स्पेक्ट्रम चौलेंज 25 प्रकार के कंटेंट और गेम में हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। भारत को ऐसे और भी दृश्यमान समारोहों की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि दुनिया हमारी रचनात्मकता और हमारी महत्वाकांक्षा को देखे।

हालांकि, इस क्षमता के द्वार को पूरी तरह से खोलने के लिए, भारत को भी भारी निवेश करना होगा। एवीजीसी सेक्टर डिजिटल इंटरैक्शन और मनोरंजन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। भविष्य के इस द्वार को खोलने के लिए कौशल–विकास, निवेश पाइपलाइन, ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जो मायने रखते हैं। इसके लिए एक प्रगतिशील नियामक प्रणाली के साथ–साथ और भी कई आवश्यकताएं हैं। यह वास्तव में एक कठिन काम है।

लेकिन यहां गंगोत्री स्थापित करके, भारत आने वाले वर्षों के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और कथानक में अपना नेतृत्व सुनिश्चित कर सकता है।नीतिगत मामलों के विशेषज्ञ और ऑपएड स्तंभकार हैं। उनका लेखन वाशिंगटन पोस्ट, बीबीसी, वाइस, द डिप्लोमैट, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, संडे गार्जियन, स्पैन, ऑर्गनाइजर और पांचजन्य में छप चुका है।ये भारत सरकार की राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद के मनोनीत सदस्य हैं, सेंटर फॉर इन्सॉल्वेंसी एंड फाइनेंशियल लॉज के बोर्ड सदस्य हैं ई–गेमिंग फेडरेशन के सीईओ हैं।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

समाज के सभी वर्गों का विकास कर रही है केन्द्र सरकार: बीएल वर्मा

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने उपकरण वितरण शिविर कार्यक्रम में 757 दिव्यांगजनों को बांटेएक करोड़ 80 लाख राशि के सहायक उपकरण

बाराबंकी।(आरएनएस) जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित चयनित दिव्यांगजन लाभार्थियों को निःशुल्क सहायक उपकरणों के वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में केन्द्रीय राज्यमंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय बी.एल. वर्मा मौजूद रहे। इस मौके पर बोलते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा ने कहा कि मुझे आशा है कि आज वितरित हो रहे सहायक उपकरणों के माध्यम से सभी लाभार्थियों को स्वावलम्बी व सशक्त करने के उद्देश्य को पूरा किया जा सकेगा और उन्हें समाज की मुख्य धारा के साथ जोड़ा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अर्जुन पोर्टल के माध्यम से अब दिव्यांगजन सहायक उपकरणों के लिए सुगमतापूर्वक ऑनलाइन मोड के द्वारा आवेदन कर सकते है जिससे उपकरण वितरण में पारदर्शिता लाने में एवं दिव्यांगजनों को वांछित उपकरण प्राप्त करने में सुविधा हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे मंत्रालय द्वारा देश भर मे प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र की भी शुरुआत की गई है और जिनका विस्तार तेजी से किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से भी हमारे वरिष्ठ नागरिक राष्ट्रीय वयोश्री योजना और हमारे दिव्यांगजन भारत सरकार की एडीप योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि एडिप योजनान्तगर्त वर्ष 2014–15

से अब तक 17 हजार से भी शिविर लगाए गए हैं तथा लगभग 30 लाख दिव्यांगजनों को लगभग 2211 करोड़ की राशि के सहायक उपकरण दिए गए हैं। इस प्रयास में 10 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाये गए हैं। उत्तर प्रदेश में 2486 कैम्प आयोजित कर लगभग 6 लाख लाभार्थियों को लगभग 457 करोड़ की राशि के उपकरणों का वितरण किया गया है। श्री वर्मा ने आगे कहा कि दिव्यांग छात्रों के सशक्तिकरण के लिए हमारी सरकार ने अभी कुछ दिन पहले एडिप योजना के अंतर्गत मोटर चालित तिपहिया साइकिलध्व्हील चेयर के लिए पात्रता के लिए दिव्यांगता की न्यूनतम सीमा 80 प्रतिशत से घटकर 40 प्रतिशत कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दिव्यांगजनों में खेल कि प्रतिभा विकसित करने के दृष्टि से ग्वालियर में लगभग 192 करोड़ रूपये की लागत से दिव्यांगता खेल केंद्र की स्थापना की गई है जिसमें अपने देश के दिव्यांग खिलाडी विष्व स्तर का प्रशिक्षण पा सकेंगें तथा राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत कर भारत का मान बढ़ाएंगे। इस मौके पर बोलते हुए प्रदेष के राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि दिव्यांग जनों में किसी भी प्रकार से प्रतिभा की कमी नहीं है। सरकार समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे दिव्यांग साथियों के समग्र विकास के लिए भी हमारी सरकार ने कई अप्रत्याशित पहल की है। इन सभी पहलों के पीछे हमारा यह लक्ष्य केवल इनका संरक्षण नहीं अपितु इनका सशक्तिकरण भी जिससे यह स्वयं आत्मनिर्भर बनें एवं समाज में अपना उचित स्थान पा सकें इसीलिए हमारी सरकार, दिव्यांग बंधुओं के शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है जिससे उनके कौशल का विकास हो एवं वह स्वावलंबी बन सकें। इससे पूर्व जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त जनप्रतिनिधियों को पुष्पगुक्ष, अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा, विधायक दिनेश रावत, एमएलसी अंगद सिंह, जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार मौर्य,वरिष्ठ प्रबंधक अल्मिकोअनुपम प्रकाश सहित भारी संख्या में विकास खण्डो के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सात जोड़ी ट्रेनों के मार्ग बदलने से यात्रियों को परेशानी

जौनपुर (आरएनएस)। अयोध्या व फूलपुर में हो रहे यार्ड रिमाडलिंग के चलते जौनपुर जंक्शन से दून एक्सप्रेस, गंगा सतलज समेत सात जोड़ी ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया है। जबकि वाराणसी–लखनऊ, वाराणसी–बरेली समेत दो जोड़ी ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं जिससे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। इसके चलते जौनपुर रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को अब ट्रेन पकड़ने के लिए जफराबाद, सुल्तानपुर व वाराणसी रेलवे स्टेशन जाना पड़ रहा है। अयोध्या व फूलपुर में हो रहे यार्ड रिमाडलिंग के चलते अयोध्या–लोकमान्य तिलक, दून एक्सप्रेस, गंगा सतलज एक्सप्रेस, रामेश्वरम, पटना–कोटा एक्सप्रेस, सद्भावना एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस, लोकनायक एक्सप्रेस का 18 दिसंबर से सात जनवरी तक रूट डायवर्जन किया गया है। इसके अलावा वाराणसी–बरेली एक्सप्रेस व वाराणसी–लखनऊ स्पेशल ट्रेन को निरस्त कर दिया गया है।

विद्युत कर्मचारियों की लापरवाही उजागर

जौनपुर (आरएनएस)। दो हफ्ते पहले एक बार जब ट्रांसफार्मर जला तो अधिकारियों को सूचना दी गई तो अगले दिन पुनः एक ट्रांसफार्मर भेज दिया गया। वह ट्रांसफार्मर अगले दिन फिर जल गया जिसके बाद गांव वालों द्वारा पूर्वांचल हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत दर्ज कराई गई। पूर्वांचल हेल्पलाइन द्वारा वहां से खुटहन के जूनियर इंजीनियर का नंबर उपलब्ध कराया गया। उस नंबर पर बात करने के लिए कहा गया लेकिन इंजीनियर साहब ने तो एक बार भी फोन नहीं उठाया।

संक्षेप

केन्द्रों पर की गई कड़ी कार्यवाही

श्रावस्ती (आरएनएस) जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध धान क्रय केन्द्रों पर कड़ी कार्यवाही की गई। जिसके तहत आज प्रातःकाल जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा विकास खण्ड सिरसिया के अन्तर्गत ताल बघौड़ा में सुखई प्रसाद पुत्र राम मिलन द्वारा अवैध रूप से संचालित धान के गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनाधिकृत रूप से संचालित गोदाम जो कि राहुल ट्रेडर्स के नाम पर पंजीकृत है।निरीक्षण के दौरान मौके पर दो कमरों में 196 कुंतल धान पाया गया तथा शेष बाहर 60 कुंतल लगभग 150 बोरी धान प्राप्त हुआ। जिसमें गोदाम में रखा माल सील कर दिया गया तथा बाहर रखा हुआ धान किसान का बताया गया है, जिसे वहीं पर उपस्थित व्यक्ति सुखई प्रसाद के सुपुर्दगी में रखा दिया गया है। इसके अलावा वहीं पर इलेक्ट्रॉनिक कांटा पाया गया तथा मौके पर व्यापार से सम्बन्धित लाइसेंस नहीं पाया गया है। जिससे मण्डी शुल्क चोरी कर सरकारी राजस्व की हानि की जा रही थी। जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित केन्द्र संचालक व सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

ट्रैक में मिला अज्ञात युवक का शव

चित्रकूट । मानिकपुर के कटैयाडांड़ी गांव के पास ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई। बुधवार सुबह 25 वर्षीय युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने की सूचना पर पहुंची बरगढ़ थाना पुलिस ने शिनाख्त कराने का प्रयास किया। उसके जेब से मोबाइल व सुपरफास्ट ट्रेन का बेंगलुरु से पाटलिपुत्र स्टेशन का टिकट मिला है। पुलिस ने शव को मर्चरी भेजा है।

पति–पत्नी के बीच सुलह

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में रिश्तों को बचाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र पुलिस टीम ने आपसी परिवारिक झगड़े को समाप्त कराकर परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया है।मानिकपुर थाना के सरहट की शीलू पुत्री रामनारायण ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया कि उनके पति दीपक पुत्र रामस्वरुप निवासी मानिकपुर गालीगलौज, मारपीट व लड़ाई झगड़ा करते है। इस पर एसपी ने निस्तारण के लिए प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र गुड्डी देवी को निर्देशित किया। पुलिस टीम ने समस्या को समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क किया। उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया। दोनों पक्षों को समझाया गया। भविष्य में आपस में मारपीट, गालीगलौज व लड़ाई झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही गयी। इस प्रकार दम्पत्ति के बीच सुलह हो गया।

10 लीटर कच्ची शराब बरामद

चित्रकूट। राजापुर थाना के एसआई कन्हैयाबक्श सिंह ने टीम के साथ कल्लू यादव पुत्र रामलाल यादव निवासी डांडी मजरा रुकमा खुर्द थाना बहिलपुरवा को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

डायल 112 की बताई उपयोगिता

चित्रकूट। अपर पुलिस महानिदेशक यूपी 112 के आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी नोडल अधिकारी डायल 112 व प्रभारी डायल 112 निरीक्षक शम्भू दयाल मौर्य के पर्यवेक्षण में श्रीमंत देवराज क्रिएशन कानपुर की नुक्कड़ नाटक टीम ने एसआई आशुतोष सिंह भदौरिया के नेतृत्व में गुरुवार को डीएम व एसपी कार्यालय सोनेपुर एवं निर्मोही अखाड़ा सीतापुर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।नुक्कड़ नाटक टीम के कलाकारों ने आमजन को आपातकाल की स्थिति में त्वरित सहायता के लिए तत्काल डायल 112 पर कॉल करने को जागरुक किया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के नाटक प्रस्तुत किये गए। मसलन यदि किसी व्यक्ति की सड़क दुर्घटना होती है तो तत्काल उसे अस्पताल भेजें न कि वीडियो बनाए। 112 डायल ककर पुलिस मदद लें। किसी भी कार्यालय में यदि किसी महिला का उनके उच्चाधिकारी द्वारा उत्पीड़न किया जात है तो तत्काल 112 डायल करें। घर में पति यदि महिला के साथ मारपीट करे तो ऐसी स्थिति में तत्काल 112 डायल कर सूचना दें।

बैंक की मिलीभगत से जालसाज ने दूसरे की खतौनी पर लिया लोन

चायल, कौशाम्बी। चरवा थानाक्षेत्र के तुरन्ती का पूरा मजरा शेखपुर रसूलपुर गांव के किसान की खतौनी लगाकर जालसाज ने बैंक की मिलीभगत से लाखों का लोन ले लिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद किसान के होश उड़ गए। उसने तहसील और बैंक जाकर मामले की जानकारी ली। मंगलवार को किसान ने मामले की शिकायत एसडीएम से करते हुए जांच कराकर आरोपी जालसाज के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।तुरन्ती का पूरा मजरा शेखपुर रसूलपुर गांव निवासी फूलचन्द पुत्र राम लाल उर्फ ललऊ ने बताया कि गांव में उसकी कृषि योग्य जमीन है। उसकी जमीन की खतौनी लगाकर गांव के ही एक जालसाज ने चायल स्थित भारतीय स्टेट बैंक से 25 मार्च 2021 को एक लाख 16 हजार रुपये की केसीसी ले लिया है। बैंक के कर्मचारी जालसाज से मिलीभगत करके उसके खेत को बंधक करा दिया। एक सप्ताह पहले उसे तहसील से खतौनी निकलवाई तो जमीन को बंधक देख वह दंग रह गया। उसने तहसील जाकर लेखपाल से मामले की जानकारी ली। जमीन पर केसीसी होने की जानकारी मिलने के बाद उसके होश उड़ गए। आरोप है कि बैंक जाकर पता करने पर प्रबंधक टालमटोल कर रहे हैं। पीड़ित किसान ने बताया कि उसका एसबीआई में खाता भी नहीं है।वह कैसे जमीन पर केसीसी लोन ले सकता है। मंगलवार को पीड़ित किसान ने मामले की शिकायत एसडीएम से करते हुए जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

सत्यम बिंद के परिजनों कको प्रदान किया पांच लाख

जौनपुर (आरएनएस)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा ग्राम लपरी तहसील शाहगंज निवासी मृतक सत्यम बिंद के घर पहुंच कर उनके परिजनों से संवाद किया गया तथा संवेदना व्यक्त की गयी। इस दौरान पीड़ित परिवार को रू 05 लाख की सहायता धनराशि देते हुए माननीय राज्यमंत्री जी ने परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें आश्वस्त कराया कि इस दुख की घडी में शासन परिवार के साथ है। मा0 मुख्यमंत्री जी इस घटना से अवगत है, जिसके क्रम में शासन की ओर से रू 05 लाख की सहायता धनराशि स्वीकृत की गयी है जो पीड़ित परिजन को चेक स्वरूप प्रदान की गयी है।

पुलिस मुठभेड़ में दो पशु तस्कर घायल, तीन बंदी

कुशीनगर। जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस व स्वाट टीम के साथ गुरुवार की तड़के पशु तस्करों से मुठभेड़ हो गई। इसमें दो तस्करों के पैर में गोली लगने से घायल हो गए जबकि एक अन्य तस्कर समेत तीन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस तस्करों से दो पिकअप वाहन से 15 राशि गोवंशीय पशुओं को मुक्त करते हुए इन लोगों के पास से तीन अवैध तमंचा भी बरामद किया है।

कोतवाली पडरौना को सूचना मिली कि कुछ शातिर पशु तस्कर पिकप वाहन से सीमावर्ती क्षेत्रो के रास्ते गोवंशो को चोरी छिपे लादकर बिहार ले जा रहे है। इस सूचना पर तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया जिसमें थाना कोतवाली पडरौना एवं स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना कोतवाली पडरौना क्षेत्रान्तर्गत घोड़हवा तिराहा से चौती मुसहरी जाने वाले मार्ग के पास घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान दो पिकप वाहन आते दिखाई दिए, जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन में सवार कुछ व्यक्तियों द्वारा लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायर किया गया। जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गई, जिसमें दो व्यक्ति घायल हो गए जिनकी पहचान अबरेज पुत्र सिकन्दर निवासी डोमन छपरा थाना खड्डा, अलाउद्दीन पुत्र अली बक्श निवासी भुझौली बाजार बुजुर्ग थाना खड्डा के रुप में हुई।

किसानों को ड्राप मोर क्रॉप माइक्रोइरीगेशन योजना की दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। ''पर ड्राप मोर क्रॉप–माइक्रोइरीगेशन योजना वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत एक दिवसीय कृषकों का प्रशिक्षण ग्राम पृथ्वीगंज बाजार विकास खण्ड शिवगढ़ में जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा एवं कम्पनियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें विकास खण्ड शिवगढ़ के किसान सम्मिलित हुये। किसानों को ''पर ड्राप मोर क्रॉप''–माइक्रोइरीगेशन योजना में मिलने वाले अनुदान एवं खेती में सिंचाई की व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुये कम पानी एवं कम लागत में उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाकर कृषकों की आय को दोगुना करने की जानकारी प्रदान की गयी। कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित किसानों को ड्रिप सिंचाई पद्धति, मिनी स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर एवं लार्ज वाल्यूम (रैनगन) का प्रयोग करते हुये किन–किन फसलों की बुआई करना चाहिये तथा जैव उर्वरक एवं जैव रसायन का घोल बनाकर वेन्चुरी के माध्यम से प्रयोग करने की विधि भी बतायी गयी। गोष्ठी में विनय कुमार सिंह योजना प्रभारी, वीरेन्द्र नारायण लाल एवं कृषक हरीराम आदि उपस्थित रहे।

पूरेकेशवराय स्थित वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजीव रंजन ने अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा के साथ पूरेकेशवराय स्थित वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गोदाम में रखी गयी वीवीपैट मशीनों का अवलोकन किया और जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करायें। उन्होने वीवीपैट वेयरहाउस में रखी अन्यत्र वस्तुओं को हटाने के निर्देश दिया और सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वीवीपैट वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैदी के साथ करते रहे। जिलाधिकारी ने अपने समक्ष वीवीपैट वेयरहाउस में सील लॉक कराया। इस दौरान उपजिलाधिकारी जितेन्द्र पाल व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बंदरों के आतंक के चलते तीन मंजिला इमारत का छज्जा गिरा, बचे लोग

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी पानी टंकी के पास बंदरों के आतंक के चलते एक तीन मंजिला इमारत का छज्जानीचे गिर पड़ा जिससे बहुत बड़ी घटना घटने से बच गई वरना काफी लोग मौत के मुंह में समा जाते।भरवारी कस्बा में शाह गंज पानी टंकी मोहल्ले के निवासी पिंटू केशरवानी का तीन मंजिला इमारत है जिसमें सभी लोग रहा करते थे स तभी कुछ बंदरों का झुंड लड़ाई करते हुए तीन मंजिला इमारत की रेलिंग को काफी तेज गति से हिला दिया। जिससे उक्त मकान के बारजा जिसमें लोहे की रेलिंग लगी हुई थी कुछ दिन पहले ही उसका स्लैप पड़ा था वह नीचे गिर पड़ा। संयोग कहा जाय कि आज भरवारी का राम दल एवं मेला दशहरा होने की वजह से काफी लोग उसी रास्ते से गुजरा करते है। यहां यह बताना आवश्यक है कि इस वक्त बंदरों का जबरदस्त आतंक है जिसके चलते घरों की महिलाएं एवं मासूम बच्चे डर के चलते घरों की छतों पर नहीं जाते सिर उसकी वजह सिर्फ बंदरों का आतंक है।

विनायक ने बचाई बेजुबान की जान'

सुल्तानपुर(आरएनएस)। मासूम बच्चे मन के सच्चे होते हैं। उनके अंदर सिर्फ दूसरों के लिए प्यार ही होता है। फिर वह किसी इंसान के लिए हो या फिर पशु–पक्षियों के लिए हो। एक ऐसी ही 39 सेकेंड की प्यारी वीडियो ने लोगों का ध्यान

➤ बेजुबान परिंदे को खिलाया दाना–पानी, अब विनायक को नहीं छोड़ रहा परिंदा...'

अपनी ओर खींचा है, जिसमें एक बच्चा परिंदे को अपने हाथों से दाना चुगाते हुए दिखाई दे रहा है। शोशल मीडिया पर मासूम बच्चे के साथ बेजुबान परिंदे की वीडियो तस्वीर ने लोगों का दिल जीत लिया है।जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। बता दें कि बीते साल अमेठी जिले के जामो ब्लॉक का मंढका गांव के निवासी 30 वर्षीय आरिफ को एक सारस घायल अवस्था में पड़ा मिला था। इलाज के बाद सारस और आरिफ की दोस्ती शोशल मीडिया से लेकर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर सुर्खियां बनी रही। आरिफ और सारस की दोस्ती को देखने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी अमेठी निवासी आरिफ के घर पहुंचे थे।

बुधवार को शहर के गोलाघाट निवासी 9 वर्षीय विनायक को एक बेजुबान परिंदा डीएम आवास चौराहे के बगल घायलावस्था में पड़ा मिला। मासूम विनायक ने घायल परिंदे को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां उसका इलाज कराकर अपने घर ले गए। बेजुबान को विनायक ने दाना चुगाया। शोशल मीडिया पर विनायक और परिंदे की दोस्ती की 39 सेकेंड की वीडियो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। जानकारी देते हुए विनायक ने बताया कि बुधवार सुबह 11बजे घर के बाहर खड़ा था कि देखा कि डीएम आवास चौराहे के पहले कुछ बच्चे एक पंछी को पकड़कर मारने का प्रयास कर रहे हैं। मैंने बिना देर किए तुरंत पहुंच कर घायल परिंदे को हाथ में उठा लिया।जिसका इलाज कराया और अब घर ले आया। बेजुबान परिंदा अब मुझे छोड़कर नहीं जा रहा है। शोशल मीडिया पर लोगों से

विनायक ने अपील करते हुए कहा कि सभी को बेजुबानों की रक्षा और सुरक्षित करने के लिए आगे आना चाहिए।

बहू की हत्या में जेठ को उम्रकैद की सजा

चित्रकूट। कुल्हाडी मारकर बहू की हत्या करने के मामले में दोष सिद्ध होने पर न्यायालय ने हत्यारोपी जेठ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रूपए अर्थदंड से भी दंडित किया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुन्दर मिश्रा ने बताया कि बीती 20 जून 2022 को रैपुरा थाना क्षेत्र के बांधी गांव के निवासी राजेश रैदास ने रैपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वादी के अनुसार उसके बेटे की बारात 21 जून को जानी थी। इस दौरान घर में चल रही तैयारियों के बीच उसकी पत्नी कुसमा (45) पर उसके बड़े भाई बाबूलाल उर्फ बबुलिया रैदास ने कुल्हाडी से हमला कर दिया। जिससे कुसमा गम्भीर रूप से घायल हो गई। वहां मौजूद उनके बेटे पंकज ने 112 नम्बर पर फोन कर इसकी जानकारी दी और 108 एम्बुलेंस के जरिए कुसमा को रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। यहां गम्भीर हालत के चलते प्राथमिक इलाज के बाद कुसमा को रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वादी राजेश के अनुसार उसकी पत्नी लगभग दो महीने पहले बरेठी में उनकी बहन ननकी के यहां गई थी। इस बात को लेकर भाई बाबूलाल नाराज था। इसके चलते वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे घर के सदस्यों और मेहमानों की मौजूदगी में उसने घर के आंगन में कुसमा पर कुल्हाडी से हमला किया था।

पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीले सुनने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने निर्णय सुनाया।

टाटा मैजिक ने बाइक में मारी टक्कर, एक की मौत

बड्डूपुर, बाराबंकी। कोतवाली कुर्सी क्षेत्र में तेज रफ़्तार टाटा मैजिक ने बाइक सवार को ठोकर मार दी जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवा भेजा जहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। मौत से घर में कोहराम मच गया। कोतवाली कुर्सी क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ महमूदाबाद मार्ग पर अमरुन चौराहे के निकट बाइक सवार कोतवाली घुघंटेर क्षेत्र के सिरसईपुर गांव निवासी सिराज उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र असगर अली कोतवाली बड्डूपुर क्षेत्र के सैदापुर मजरे बुढ़ना गांव निवासी दयाराम यादव उम्र करीब 50 वर्ष पुत्र नथा दोनों लोग एक ही मोटरसाइकिल से मंगलवार सुबह कोतवाली कुर्सी क्षेत्र के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोका कोला फैक्ट्री में ड्यूटी करने जा रहे थे। तभी अमरुन चौराहे के पास तेज रफ्तार टाटा मैजिक ने बाइक में ठोकर मार दी जिसमें दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवा भेजा।

साहबजादों का बलिदान देश की गौरव गाथा

कुशीनगर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व विचार परिवार द्वारा वीर बालक दिवस पर ऐतिहासिक समागम विचार संगोष्ठी का आयोजन नगर के सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में किया गया। अतिथियों ने गुरु गोंविन्द सिंह के साहबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान की गौरव गाथा सुनाई और राष्ट्र निर्माण के कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

गुरुवार को कार्यक्रम की शुरुआत साहबजादों के चित्र व भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग प्रयागराज के पूर्व अध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली प्रो0 ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने साहबजादों के देश पर बलिदान का मार्मिक प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि हम सब अमृत काल मे चल रहे हैं। इतिहास अमृत की नहरें हैं और वीर बालक जिन्होंने इतिहास रचा है उस बलिदान, भावना एक एक शब्दो को याद करने की आवश्यकता है। उनके त्याग बलिदान को कैसे हमारा समाज भूल गया था। अवसर की तलाश थी। 26 दिसम्बर को प्रधानमंत्री ने वीर बालक दिवस घोषित किया। पूरी पृष्ठभूमि क्या है। इतिहास को देखें। पूरी घटना का वर्णन करते गला रुध जाता है।इन वीरों का इतिहास हर जगह रचित है। प्रधानमंत्री ने ऐसे स्थलों को चिन्हित किया और उसके महत्व को रेखांकित किया। यह एक महज कार्यक्रम नहीं है हमारे भीतर सतगुरु बैठा हुआ है कि हिंदुस्तान से कितना प्यार है। इसमें समझने का विषय क्या है। भारत के इतिहास, धर्म, संस्कृति को जानना है तो इन वीरों को पढ़ना होगा। अध्यक्षता करते हुए बीपीजी के प्रबन्धक सचिव वीरेंद्र सिंह अहुलवालिया ने कहा कि गुरु साहब ने हिन्दू धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिए अपना शीश मुगलों को दिया और धर्म, सिद्धांत की रक्षा के लिए तलवार उठाये। इसी क्रम में राना परमजीत कौर, सह विभाग संचालक देवरिया डॉ सीएस सिंह, रामाश्रय जी जिला संचालक आदि ने विचार रखे।

आयुष्मान कार्ड में न बरतें लापरवाही

दरियाबाद, बाराबंकी(आरएनएस)। दरियाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बुधवार को 70 साल से ऊपर के वृद्ध जनों के लिए आयुष्मान योजना के तहत कार्ड बनाने के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने दीप प्रज्ज्लवित कर किया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मथुरा नगर में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए एक शिविर का आयोजन हुआ। शिविर के उद्घाटन के बाद राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने वृद्ध जनों से बातचीत करते हुए आयुष्मान योजना के फायदे के बारे में और इसके तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान राज्यमंत्री के साथ सीएमओ डॉक्टर अवधेश यादव ने आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।शिविर में उन्होंने अधिकारियों से सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने अस्पताल में तैनात डॉक्टरों और कर्मचारियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली और डॉक्टरों और कर्मचारियों से अस्पताल में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जायजा लिया।

महाकुंभ में बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली द्वारा श्रद्धालु को जानकारियां दी जाएगी: महाप्रबंधक

प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चंद्र जोशी ने मंडल कार्यालय के सभागार में प्रेस वार्ता में आगामी महाकुंभ में रेलवे द्वारा तैयारियों एवं योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रेलवे की सुविधाओं और योजनाओं से यात्री और श्रद्धालुओं को प्रचार प्रसार के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है । श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाकुंभ रेल सेवा–2025 ऐप एवं वेब पोर्टल शुरू किया गया है इसे आसनी से नेविगेट किया जा सकता है । ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से दिशा–वार ट्रेन, मेला विशेष ट्रेन, स्टेशन पर यात्री आश्रय एवं यात्री सुविधाएँ, हेल्प लाइन नंबर एवं रेल टिकट बुक करने जैसे विविध सुविधाएं मिल सकेंगी। एक नवंबर, 2024 से टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 जारी किया है । एक जनवरी, 2025 से यह चौबीसों घंटे प्रति शिफ्ट चार ऑपरेटरों द्वारा संचालित किया जाएगा और मेला अवधि के दौरान उड़िया, तमिल, तेलगु, मराठी और बंग्ला जैसी भाषाओं में है। यात्रियों की सुविधा के लिए बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली शुरू की जा रही है । बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली के माध्यम से महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को यात्रा संबंधित जानकारियां 12 भाषाओं – हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी, तामिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, बंग्ला, उड़िया,पंजाबी एवं असमिया में उद्घोषित की जाएंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तेरह हजार से अधिक गाड़ियां चलायी जाएंगी । दस हजार से अधिक नियमित गाड़ियां एवं 3000 से अधिक विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा । इनमें से 1800 गाड़ियों छोटी दूरी के लिए, 700 गाड़ियां लंबी दूरी के लिए और 560 गाड़ियां रिंग रेल पर चलायी जाएंगी । प्रयागराज–प्रयाग–अयोध्या–वाराणसी–प्रयागराजय प्रयागराज संगम–प्रयाग–जौनपुर–प्रयाग–प्रयागराज संगम य गोविंदपुरी–प्रयागराज–चित्रकूट–गोविंदपुरी एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–गोविंदपुरी–प्रयागराज–मानिकपुर–चित्रकूट–वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मार्गों पर रिंग रेल की योजना तैयार कर ली गयी है। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी सहित कुल 9 रेलवे स्टेशनों के साथ–साथ मेला क्षेत्र में यूटीएस, एटीवीएम, एमयूटीएस, पूछताछ और पीआरएस सहित कुल 560 टिकटिंग पॉइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन काउंटरों से प्रतिदिन लगभग 10 लाख टिकट वितरित किए जा सकेंगे । रेलवे ने कुंभ मेल के दृष्टिगत अब अग्रिम रेलवे टिकट 15 दिन पूर्व लेने की सुविधा शुरू कर दी गयी है। प्रयागराज–रामबाग के मध्य गंगापुल, फाफामऊ–जंघई दोहरीकरण, प्रयागराज जंक्शन पर नई सिग्नल प्रणाली, प्रयागराज के 9 स्टेशनों पर प्लेटफार्मों की संख्या में वृद्धि करके 40 से 48 कर दिया गया है । यात्री आश्रयों की संख्या में वृद्धि करके 11 से 28 कर दिया गए है, इन आश्रयों की क्षमता बढ़कर 130,000 हो गयी है । स्टेशनों पर वाशिंग लाइन सहित वेटिंग रूम, वेटिंग हाल, स्लीपिंग पॉड, रिटायरिंग रूम, एग्जीक्यूटिव लाउंज, बैटरी अपरेटेड कार, व्हील चेयर, खानपान सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, यात्री सुविधा केंद्र, पर्यटक बूथ, प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र एवं क्लाक रूम सुविधाओं को उन्नत किया गया है । प्रयागराज क्षेत्र में 438 करोड़ रुपये की लागत से 21 रोड ओवर ब्रिज एवं रोड अंडर ब्रिजों का निर्माण किया गया है।

आगामी महाकुम्भ पर विशेष आवरण कवर जारी

प्रयागराज। फिलाटेलिक सोसाइटी प्रयागराज ने आगामी महाकुम्भ मेला पर सिविल लाइन्स स्थित प्रधान डाकघर महाकुंभ में ष्लोगों ष और एक विशेष आवरण, विशेष विरुपण किया। मुख्य अतिथि प्रीति अग्रवाल, निदेशक

डाक सेवाएं प्रयागराज एवं अतिथि मासूम रजा राशदी, सहा. निदेशक, डाक सेवाएं प्रयागराज क्षेत्र प्रयागराज साथ मे प्रयाग फिलाटेलिक सोसाइटी के अध्यक्ष प्रमोद बंसल एवं उपाध्यक्ष संजीव त्रिपाठी एवं राजेश तिवारी, प्रवर डाक पाल प्रधान डाकघर प्रयागराज एवं मनु भाई शाह, सहा. अधीक्षक द्वारा जारी किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रीति अग्रवाल ने कहा कि महा कुम्भ 2025 के अवसर पर जारी विशेष कवर के लिए प्रयाग फिलाटेलिक सोसाइटी को बधाई दिया और कुम्भ पर डाक विभाग विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगा, महाकुंभ पर कवर निकलना वास्तव में सम्मान जनक है । उक्त कार्यक्रम मे साधना मिश्रा, सी. आई. , फिलेटलिस्ट एम गुलरेज, डॉ आदित्य सिंह, मो.शरीक ,अनिल गुप्ता, राजेश वर्मा, जन सम्पर्क निरीक्षक, मो. नुमान, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप पाठक, इंचार्ज फिलेटेलिक ब्यूरो द्वारा किया गया और अंत मे राहुल गंगोली, सचिव प्रयाग फिलाटेलिक सोसाइटी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 24/85 दिनांक : 27.12.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	80244101A	एच वाई डी ऑइल-एच एल पी-68	75977 लीटर	20.01.2025
2	20243114	सेट (मोटर सेट) ऑफ एम पी/सी पी कोऑयल्स	70 सेट	21.01.2025
3	64245347	टंगस्टन कार्बाइड टैम्पिंग टूल (टीसीटीटी)	10 सेट	30.01.2025

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

2184/24 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

प्राचीन धरोहर का जीर्णोद्धार नगर निगम कर रहा है

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ भारत की सनातनी परम्परा का धार्मिक और सांस्कृतिक महापर्व है। जनवरी 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे इस महापर्व को दिव्य और भव्य स्वरूप देने में जुटी प्रदेश की योगी सरकार इसकी परम्पराओं का संरक्षण करते हुए कुम्भ नगरी की सांस्कृतिक धरोहरों का भी संरक्षण कर रही है। प्रयाग नगर एक धार्मिक पहचान होने के साथ ही कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के साथ भी इसका नाम जुड़ा है। इसी के अंतर्गत आता है नगर निगम परिसर स्थित भवन जिसके जीर्णोद्धार का कार्य प्रयागराज नगर निगम द्वारा करवाया जा रहा है। ब्रिटिशकाल में सन् 1865 के करीब संगम नगरी में बने सबसे पुराने 'ग्रेट नॉर्दर्न' होटल और बाद में नगर निगम कार्यालय में तब्दील इस 150 वर्ष से अधिक पुराने भवन का 9 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार करवाया जा रहा है। कायाकल्प के बाद प्रयागराज वासियों समेत महाकुम्भ में आने वाले पर्यटक भी यह ऐतिहासिक भवन देख सकेंगे। नगर आयुक्त

चंद्र मोहन गर्ग का कहना हैं कि यह भवन प्रयागराज की धरोहर है, इसे संरक्षित रखने की पहल नगर निगम ने की है। महाकुम्भ से पहले इस भवन के जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा। अपने नए रंग रूप में यह भवन पर्यटकों को आकर्षित करेगा। इस ऐतिहासिक इमारत में आजादी के पूर्व देश की आजादी में हिस्सा लेने वाले बुद्धजीवी समाज की बैठकें होती थीं। 1930 के दशक में ब्रिटिश सरकार ने इस भवन को प्रशासनिक भवन में तब्दील कर दिया था। प्रयागराज नगर निगम के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सलाहकार सूरज वीएस ने बताया कि दिसंबर 2020 में नगर निगम के भवन में एक कमरे की छत गिर गई थी, जिसके बाद इस पूरे भवन को गिराकर नया भवन बनाने पर विचार किया गया था। इस डेढ़ सौ साल से अधिक पुराने भवन को गिराने से पहले पुरातत्व विभाग से राय ली गई। एएसआई, एमएनआईटी प्रयागराज और आईआईटी मुम्बई से इस भवन के विषय में परामर्श लिया गया। 2020–21 में एएसआई की रिपोर्ट आने के बाद नगर निगम की इस बिल्डिंग को धरोहर बताते हुए इसका संरक्षण करने की सलाह दी गई। सवानी हेरिटेज के जितेश पटेल ने बताया कि नगर निगम के इस पुराने भवन का जीर्णोद्धार, पुराने जमाने में निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सामग्री से किया जा रहा है। निर्माण सामग्री के लिए लाइम मध्य प्रदेश कटनी से और बाकी चीजें अलग–अलग राज्यों और लोकल मार्केट से मंगवाई जा रही हैं। सीमेंट बालू की जगह चूना, सुरखी, बालू, बेल गिरि, गुड़, उड़द की दाल, गुगुल और मेथी के मिश्रण से निर्माण सामग्री तैयार की जा रही है। इस बिल्डिंग के विषय में रोचक बात यह भी है कि एक समय में इसी बिल्डिंग में प्रयागराज म्यूजियम हुआ करता था। म्यूजियम से जुड़े साक्ष्य अब भी इस बिल्डिंग में मौजूद हैं।

150 वर्ष पहले इस भवन का निर्माण ईको फ्रेंडली चीजों से करवाया गया था, इसलिए अब इसका कायाकल्प इन्हीं चीजों से करवाया जा रहा है। इस भवन में पहले मरम्मत के दौरान जो भी नई चीजें लगाई गई थीं, जैसे सीमेंट का प्लास्टर, फर्श की टाइलें, खिड़कियां–दरवाजें, उन्हें अब हटाया जा रहा है, ताकि भवन को असली स्वरूप में वापस लाया जा सके। इससे भवन का तापमान प्राकृतिक रूप से ठंडा रहेगा और गर्मी में भी एयर कंडीशनर का कम इस्तेमाल किया जाएगा। यह तरीका पर्यावरण के अनुकूल भी है, क्योंकि इसमें प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुंबई की सवानी हेरिटेज जीर्णोद्धार का काम कर रही है, जो दिसंबर के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद इस भवन में 'फसॉड लाइटिंग' भी लगवाई जाएंगी। महाकुम्भ में आने वाले पर्यटक इस ऐतिहासिक भवन को एक नए कलेवर में देखेंगे ।

कई कार्य पहली बार हुए: शर्मा

प्रयागराज। महाकुंभ मेंही कई शहर बस गए। मेला को दिव्य, भव्य और स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी हम सब की है। उक्त बाते नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सोमवार को महाश्रमदान शुभारंभ कार्यक्रम के छठवें दिन दशाश्वमेध घाट मुख्य अतिथि के तौर पर सभा को संबोधित करते हुए। कहा कि मैंप्रयाग से 1980 से जुड़ा हुआ हूं। ग्रेजुएशन करने के लिए आया था। तब सेप्रयागराज को देखा। यहां कई कुंभ मेले मेंआया और शामिल हुआ हूं। अपने अनुभवों से कह सकता हूं कि आने वाले वर्ष में होने वाला महाकुंभ अद्वितीय, दिव्य और भव्य होने वाला है। ऐसा महाकुंभ आजतक किसी ने नहीं देखा होगा। उन्होंने दारागंज के कुनकुन श्रीशिवाला गली में झाड़ू लगाया।

महाकुम्भः परेड स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल में पहली कन्या ने जन्म लिया

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ की विधिवत शुरुआत से पहले ही महाकुम्भनगर में स्थापित सेंट्रल हॉस्पिटल ने अपनी सेवाएं देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार को लगातार दूसरे दिन हॉस्पिटल में एक महिला की डिलीवरी संपन्न कराई गई। खास बात ये है कि महिला ने कन्या को जन्म दिया है जो महाकुम्भ में हॉस्पिटल में जन्मीं पहली बेबी गर्ल है। इसीलिए हॉस्पिटल और परिजनों की सहमित से इसका नाम गंगा रखा गया है। इस बेबी गर्ल का जन्म डॉ. गौरव दुबे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने कुशलतापूर्वक संपन्न कराया। इससे पहले रविवार को डॉक्टर दुबे की टीम ने महाकुम्भ में पहले बेबी बॉय की डिलीवरी कराई, जिसे कुम्भ नाम दिया गया था। महाकुम्भनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल में नोडल चिकित्सा स्थापना डॉ गौरव दुबे ने बताया कि सेंट्रल हॉस्पिटल में सोमवार को पहली कन्या ने जन्म लिया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062